Hw
30/9/21

Date
Page 23

1. हंस और कछुआ पाठ के माध्यम से आपको क्या शिक्षा मिली है?
2. पाठ का सारांश अपने शब्दों में 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर

1. हंस और कछुआ पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें मुसीबत के समय मौन रहना चाहिए और धैर्य से, ~~काम करना~~ समझदारी और सोच-विचारकर करना चाहिए।

2. मगध देश के ~~फुल्लोत्पल~~ फुल्लोत्पल तालाब के पास दो हंस रहते थे। उनका एक कछुआ दोस्त भी था। ~~एक दिन~~ हंसों का नाम संकट और विकट था। एक दिन कुछ मछुवारे तालाब के पास से गुज़र रहे थे। तब उनकी नज़र तालाब की मछलियों और कछुए के ऊपर पड़ी। उन्होंने तय किया कि अगले दिन वे मछलियों और कछुए को पकड़ लेंगे। हंसों ने उनकी बात सुनी और कछुए को बता दी। कछुआ डर गया। हंसों और कछुए ने योजना बनाई की हंस एक डंडे को दो सिरों से पकड़ लेंगे + कछुआ उसे बीच से पकड़ लेगा। हंसों ने कछुए को बात करने से मना कर दिया। जब वे एक गाँव के ऊपर उड़ रहे थे, तब कुछ बच्चे पतंग उड़ा रहे थे। सारे लोग उड़ते कछुए को देखकर आश्चर्य हो गए और उसे पकड़ने की बात करने लगे।

तब कछुए ने मुँह खोला और बोला-
"तुम क्या खाक पकड़ोगी मुझे।" और वह गिरकर मर गया।